पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – नाटक एवं काव्येतर गद्य **प्रश्नपत्रः प्रथम**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. नाट्य विधा का विश्लेषण किस प्राचीन ग्रंथ में किया गया है ?
2. ग्रीक भाषा में 'ड्रामा' शब्द का क्या अर्थ होता है ?
3. 'चन्द्रगुप्त' नाटक के **दो** महिला पात्रों के नाम लिखिए।
4. 'कविता बद्ध' नाटक को 'गीत-नाट्य' की संज्ञा किसने दी है ?
5. 'लहरों के राजहंस' के रचनाकार का नाम लिखिए।
6. 'गद्य' कवियों की कसौटी है तो 'निबंध' गद्य की कसौटी है ? किसने कहा था ?
7. काव्येतर गद्य विधाओं में से किन्ही **दो** विधाओं के नाम लिखिए।
8. 'मेरी जीवनयात्रा' किसकी आत्मकथा पर आधारित है ?

खण्ड—ब

9. 'संवाद' में कौन-कौनसे गुण होने चाहिए ?
10. रेडियो नाटक क्या है ?
11. 'चन्द्रगुप्त' नाटक की ऐतिहासिक घटनाएँ बताइए।
12. 'नदी प्यासी थी' एकांकी को अपने शब्दों में व्यक्त कीजिए।
13. 'गीति नाट्य' से क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।
14 निबंध की महत्वपूर्ण विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. कथेतर विद्याओं का साहित्य में क्या महत्व है ? किसी **एक** कथेतर पर प्रकाश डालिए।
16. 'एक दुराशा' निबंध की भाषाशैली पर प्रकाश जलिए।
17. 'काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था' निबंध के मूल प्रतिपाद्य पर प्रकाश डालिए।
18. हिन्दी व्यंग्य विधा में परसाई जी के योगदान पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. 'भाभी' रेखाचित्र का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।
20. 'उपन्यास-सम्राट' में संस्मरण एवं निबंध का भेद जैसे खत्म हो जाता है। अपने विचार दीजिए।
21. 'अंधकार' रिपोर्ताज में लेखक ने क्या संदेश दिया है ?
22. हिंदी नाटक के विकास में भारतेन्दु एवं प्रसाद जी के योगदान पर एक निबंध लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. धर्मवीर भारती के नाटकों के आधार पर उनकी नाट्य दृष्टि की विवेचना कीजिए।
24. नाटक के तत्वों के आधार पर 'आधे-अधूरे' नाटक की समीक्षा कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – कथा साहित्य **प्रश्नपत्रः द्वितीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. ऐतिहासिक उपन्यास-लेखन की परम्परा का आरम्भ किस उपन्यासकार के उपन्यास से माना जाता है ?
2. प्रेमचंद के किस उपन्यास में प्रमुखता से जमींदारों के शोषण, उनका विरोध तथा अछूतोद्धार को केन्द्र में रखा गया है ?
3. 'शेखर : एक जीवनी' किस शैली में लिखा गया है ?
4. 'समय सरगम' किसकी औपन्यासिक कृति है ?
5. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' की कहानी 'उसने कहा था' किस पत्रिका में प्रकाशित हुई थी ?
6. 'फूलों का कुर्ता' किसका कहानी-संग्रह है ?
7. राजेन्द्र यादव की कहानी 'टूटना' का पात्र किशोर किसके साथ दाम्पत्य-जीवन बिता रहा होता है ?
8. 'जिन्दगी और गुलाब के फूल' कहानी-संग्रह की लेखिका का नाम लिखिए।

खण्ड—ब

9. ऐतिहासिक उपन्यास क्या हैं ? समझाइए।
10. प्रेमचन्द के कोई **चार** उपन्यास प्रकाश वर्ष रहित लिखिए।
11. पं. दातादीन का चरित्र लिखिए।
12. कहानी की परिभाषा लिखिए।
13. 'शतरंज के खिलाड़ी' कहानी की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।
14. साठोत्तर कहानियों में ज्ञानरंजन का योगदान लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2
(Assignment—2)

खण्ड—स

15. 'शेखर : एक जीवनी' के शेखर के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।
16. जासूसी उपन्यास परम्परा का संक्षिप्त परिचय दीजिए।
17. जैनेन्द्र की कहानी 'पत्नी' का प्रतिपाद्य लिखिए।
18. अमरकांत की कहानी 'जिन्दगी और जोंक' का वर्तमान परिप्रेक्ष्य में विवेचन कीजिए।

सत्रीय कार्य– 3
(Assignment—3)

खण्ड—द

19. ज्ञानरंजन की कहानी 'पिता' में पिता और पुत्र की मनोदशा को रेखांकित कीजिए।
20. कहानी के तत्वों को सविस्तार समझाइए।
21. उपन्यास के विकास को रेखांकित कीजिए।
22. कृष्ण बलदेव वैद की कहानी 'मेरा दुश्मन' की मूल-संवेदना पर प्रकाश डालिए।

सत्रीय कार्य– 4
(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. "दासता कहते हैं उस अवस्था को, जिसमें हम सत्य और असत्य को जानने में असमर्थ हो जाते हैं।" इस कथन के आलोक में शेखर का वैचारिक पक्ष लिखिए।
24. प्रेमचन्द की औपन्यासिक विशेषताओं को सविस्तार समझाइए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – भाषा विज्ञान **प्रश्नपत्रः तृतीय**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. 'नीरस' का संधि विच्छेद क्या है ?
2. 'ध्वन्यालोक' किसकी रचना है ?
3. बिहारी किस अपभ्रंश से विकसित हुई है ?
4. 'यथाविधि' में कौन-सा समास है ?
5. 'स्वन' किसे कहा जाता है ?
6. उच्चारण स्थान के आधार पर 'ट', 'ठ' किस प्रकार की ध्वनियाँ हैं ?

7. संविधान की आठवीं अनुसूची में अब तक कितनी भाषाएँ शामिल हैं ?

8. अनुप्रयुक्त भाषा विज्ञान के लिए अंग्रेजी में कौन-सा पदबंध प्रचलित है ?

खण्ड—ब

9. अघोष व्यंजन क्या है ? लिखिए।

10. रूढ़ और यौगिक शब्द को परिभाषित कीजिए।

11. लौकिक संस्कृत क्या है ?

12. राष्ट्रभाषा किसे कहते हैं ?

13. भाषा शिक्षण का क्या उद्देश्य है ?

14. भूमंडलीकरण के दौर में अनुवाद की आवश्यकता क्यों है ?

सत्रीय कार्य– 2
(Assignment—2)

खण्ड—स

15. तत्सम, तद्भव और देशज शब्द को उदाहरण सहित परिभाषित कीजिए।

16. भाषा को परिभाषित करते हुए उसकी प्रकृति एवं विशेषताएँ लिखिए।

17. भाषा विज्ञान क्या है तथा इसका अध्ययन क्यों आवश्यक है ?

18. स्वर और व्यंजन में क्या अंतर है ?

सत्रीय कार्य– 3
(Assignment—3)

खण्ड—द

19. वाक्य परिवर्तन के कारणों को उदाहरण सहित समझाइए।

20. अर्थ परिवर्तन की दिशाओं को सविस्तार समझाइए।

21. देवनागरी लिपि के उद्भव एवं विकास-क्रम को रेखांकित कीजिए।

22. मध्यकालीन आर्यभाषाओं को वर्गीकृत करते हुए उसकी विस्तृत विवेचना कीजिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. शैली विज्ञान के प्रकार और उनकी मान्यताओं पर सारगर्भित लेख लिखिए।
24. रूप प्रक्रिया क्या है ? उसकी प्रकृति और शाखाओं का सविस्तार वर्णन कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**

पण्डित सुन्दरलाल शर्मा (मुक्त) विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़, बिलासपुर

सत्रीय कार्य (Assignment Work) सत्र – जुलाई–जून 2023–24

एम.ए. (हिन्दी साहित्य) अंतिम

विषय – आधुनिक हिन्दी कविता और गीत परम्परा **प्रश्नपत्रः चतुर्थ**

पूर्णांक : 30 **न्यूनतम उत्तीर्णांकः 12**

नोटः– परीक्षार्थी प्रत्येक खण्ड के निर्देशों को ध्यान से पढ़कर प्रश्नों को हल करें।

परीक्षार्थी हेतु निर्देश :

सत्रीय कार्य–1

खण्ड अ – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (1 से 8) कुल 08 प्रश्न है, सभी प्रश्न अनिवार्य। प्रति प्रश्न 0.5 अंक उत्तर शब्द सीमा 1–2 शब्द या एक वाक्य।

खण्ड ब – अति लघुउत्तरीय प्रश्न (9 से 14) कुल 06 प्रश्न है जिसमें से कोई 04 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 01 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 75 या आधा पेज।

सत्रीय कार्य–2

खण्ड स – लघुउत्तरीय प्रश्न (15 से 18) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 03 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 02 अंक का होगा। उत्तर शब्द सीमा 150 या एक पेज।

सत्रीय कार्य–3

खण्ड द – अर्द्ध दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (19 से 22) कुल 04 प्रश्न है जिसमें से कोई 02 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 04 अंक का होगा। शब्द सीमा 300 या दो पेज।

सत्रीय कार्य–4

खण्ड ई – दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (23 से 24) कुल 02 प्रश्न है जिसमें से कोई 01 प्रश्न हल करें। प्रति प्रश्न 08 अंक का होगा। उत्तर की शब्द सीमा 600–750 या 4–5 पेज।

सत्रीय कार्य– 1

(Assignment—1)

खण्ड—अ

1. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना किस सप्तक से जुड़े कवि हैं ?
2. 'सागर तट घिर गया है।' किसकी कविता है ?
3. मुक्तिबोध की काव्यकला किस पर आधारित है ?
4. 'महाप्रस्थान' कब और किसके द्वारा लिखा गया ?
5. गिरिजाकुमार माथुर के चौथे काव्यसंग्रह का नाम क्या है ?
6. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य-सृजन का दूसरा सोपान क्या है ?
7. अशोक वाजपेयी का जन्म छत्तीसगढ़ के किस शहर में हुआ ?
8. वीरेन्द्र मिश्र का प्रथम काव्यसंग्रह क्या था ?

खण्ड—ब

9. सन् 1951 में प्रकाशित 'दूसरा सप्तक' की विशेषताएँ लिखिए।
10. शमशेर बहादुर का जीवन परिचय दीजिए।
11. महाप्रस्थान में चाक्षुष बिम्ब को स्पष्ट कीजिए।
12. 'निर्णय का क्षण' कविता की मूल संवेदना स्पष्ट कीजिए।
13. धर्मवीर भारती का कृतित्व परिचय दीजिए।
14. हिन्दी नवगीत की सामान्य प्रवृत्तियाँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 2

(Assignment—2)

खण्ड—स

15. सोहनलाल द्विवेदी के संवेदना पक्ष पर प्रकाश डालिए।
16. वीरेन्द्र मिश्र के गीतों की विशेषताएँ लिखिए।
17. नई कविता में भवानी प्रसाद मिश्र का योगदान निर्धारित कीजिए।
18. बाल स्वरूप राही के गीतों की मूल चेतना लिखिए।

सत्रीय कार्य– 3

(Assignment—3)

खण्ड—द

19. हिन्दी गीतिकाव्य में रमानाथ अवस्थी का योगदान स्पष्ट कीजिए।
20. धर्मवीर भारती के काव्य में प्रेमानुभूति को स्पष्ट कीजिए।
21. "गिरिजा कुमार माथुर के काव्य में लोक जीवन की अभिव्यक्ति हुई है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।
22. नरेश मेहता कृत महाकाव्य की विशेषताएँ लिखिए।

सत्रीय कार्य– 4

(Assignment—4)

खण्ड—इ

23. समकालीन कविता के सन्दर्भ में अशोक वाजपेयी के काव्य का मूल्यांकन कीजिए।
24. "सोहनलाल द्विवेदी के गीतों में राष्ट्रीयता की भावना कूट-कूट कर भरी है।" इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

आवश्यक निर्देश :–

1. **सत्रीय लेखन कार्य को घर से लिखकर उत्तरपुस्तिका दिनांक 29 फरवरी 2024 तक संबंधित अध्ययन केन्द्र में जमा करें। सत्रीय कार्य स्व–हस्तलिखित होना चाहिए। दूसरे के द्वारा लिखा गया, फोटोकापी या पुस्तक का हिस्सा चिपकाना अनुचित साधन का प्रयोग माना जायेगा।**
2. **छात्र सत्रीय कार्य लेखन हेतु अन्य संदर्भित पुस्तकों का भी उपयोग कर सकते है।**
3. **सत्रांत परीक्षा सत्र जुलाई–जून 2023–24 का सैद्धांतिक प्रश्न पत्र का स्वरूप सत्रीय कार्य जुलाई–जून 2023–24 जैसा ही रहेगा।**
4. **सत्रीय कार्य के मूल्यांकन में छात्र द्वारा किए गए अध्ययन एवं लेखन, विषय की व्याख्या तथा लेखन में मौलिकता को आधार बनाया जायेगा। इसमें अध्ययन लेखन पर अधिकतम 60 प्रतिशत (18 अंक) दिया जावेगा, विषय–वस्तु की व्याख्या के लिए अधिकतम 20 प्रतिशम (6 अंक) तथा सृजनात्मक, मौलिक–सोच प्रदर्शित होने पर अधिकतम 20 प्रतिशत (6 अंक) प्राप्त हो सकते है। इस प्रकार मूल 100 प्रतिशत (30 अंक) का विभाजन रहेगा।**